एक मशहूर शिकारी ने एक शेर के शिकार का हाल लिखा है । आज हम उसकी कथा उसी की ज़बान से सुनाते हैं - कई साल हुए एक दिन मैं नौरोबी की एक चौड़ी गली से जा रहा था कि एक शेरनी पर नज़र पड़ी जो अपने दो बच्चों समेत झाड़ियों की तरफ़ चली जा रही थी । शायद शिकार की तलाश में बस्ती में घुस आई थी । उसे देखते ही मैं लपककर अपने घर आया और एक रायफल लेकर फिर उसी तरफ़ चला । संयोग से चांदनी रात थी । मैंने आसानी से शेरनी को मार डाला और उसके दोनों बच्चों को पकड़ लिया । इन बच्चों की उम्र ज्यादा न थी , सिर्फ तीन हफ्ते के मालूम होते थे । एक नर था ; दूखरा मादा । मैंने नर का नाम जैक और मादा का जल रखा । जैक तो जल्द बीमार होकर मर गया , जल बच रही । जल झपना नाम समझती और मेरी आवाज़ पहचानती थी ।